web: www.nyaysakshi.com

पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल

पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक

न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 29 जुलाई 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 302

आईएएस कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में भरा पानी, डूबने से 3 बच्चों की मौत, सड़क पर उतरे छात्र, दो गिरफ्तार

नईदिल्ली | आरएनएस

नई दिल्ली में एक कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में भारी बारिश के बाद भरे पानी में डूबने से तीन छात्रों की मौत हो गई है. इस मामले में दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज किया है. वहीं दो लोगों की गिरफ्तारी की गई है. एनडीआरएफ, स्थानीय पुलिस और अग्निशमन विभाग द्वारा बचाव अभियान के दौरान घटनास्थल से छात्रों का शव बरामद किया गया है.

दिल्ली अग्निशमन विभाग के मुताबिक, शाम करीब 7 बजे ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित राव आईएएस स्टडी सेंटर से उन्हें जलभराव की शिकायत का फोन आया. जिसके बाद टीम फौरन मौके पर पहुंची और बचाव और राहत कार्य शुरू किया.

दिल्ली की मंत्री आतिशी का कहना है कि, अग्निशमन विभाग और एनडीआरएफ की एक टीम घटनास्थल पर मौजूद है. आतिशी ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि, वह घटना पर पल-पल की अपडेट ले रही हैं. यह घटना कैसे हुई इसकी जांच के लिए मजिस्ट्रेट को आदेश दे दिया गया है. उन्होंने कहा कि, इस घटना के लिए जो भी जिम्मेदार होगा उसे बख्शा नहीं जाएगा.

मालूम हो कि, पुराना राजेंद्र नगर संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षाओं के लिए कोचिंग सेंटरों का केंद्र है. यहां हर साल देशभर से लाखों बच्चे आईएएस-आईपीएस बनने का सपना लिए दिल्ली पहुंचते हैं. ऐसे में इस तरह की घटना उनके और उनके परिजनों के लिए काफी डराने वाली है. फिलहाल मामले की पूरी तफ्तीश जारी है. प्रशासन मुस्तैदी से जुटा हुआ है.

दिल्ली पुलिस ने की मृतकों की पहचान, यूपी-केरल और तेलंगाना के थे छात्र

दिल्ली के राजेंद्र नगर स्थित इंस्टीट्यूट के बेसमेंट में जलभराव के कारण जान गंवाने वाले तीनों छात्रों की पहचान हो गई है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि मृतकों के नाम श्रेया यादव, तान्या सोनी और नेविन डालविन हैं।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, श्रेया यादव यूपी के अंबेडकरनगर की रहने वाली थी। जबकि तान्या सोनी तेलंगाना और नेविन डालविन केरल के एर्नाकुलम के रहने वाले थे।

सेंट्रल दिल्ली के डीसीपी एम. हर्षवर्धन ने घटना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, शनिवार शाम को इंस्टीट्यूट के बेसमेंट में पानी भरे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। कई घंटों के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद राजेंद्र नगर में स्थित इंस्टीट्यूट के बेसमेंट से तीन छात्रों के शवों को बरामद किया गया। उनकी पहचान कर ली गई है और मृतकों के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी है।

डीसीपी एम. हर्षवर्धन ने बताया, जिन तीन छात्रों के शवों को बरामद किया गया है। उनमें अंबेडकरनगर की श्रेया यादव, तेलंगाना की तान्या सोनी, केरल के एर्नाकुलम निवासी नेविन डालविन शामिल है। दिल्ली पुलिस ने घटना को लेकर एफआईआर दर्ज कर ली है। राजेंद्र नगर थाने में धारा 105, 106 (1), 115 (2), 290 और 35 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। कोचिंग सेंटर, बिल्डिंग मैनेजमेंट और बिल्डिंग में काम करने वाले सभी लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया है।

उन्होंने कहा, दिल्ली पुलिस ने इस मामले में अब तक दो लोगों को हिरासत में लिया है, जिनमें बिल्डिंग के मालिक और को-ऑर्डिनेटर हैं। इस मामले में आगे की जांच चल रही है।

इस बीच राजेंद्र नगर के छात्रों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखा है। उन्होंने कोचिंग इंस्टीट्यूट और एमसीडी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। इसमें लिखा है- पिछले दो दिनों में ओल्ड राजेंद्र नगर और पटेल नगर में बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी है। कोचिंग संस्थान और एमसीडी अधिकारियों की आपराधिक लापरवाही के कारण कुछ छात्रों की मृत्यु हुई है। छात्रों की मांग है कि घटना से संबंधित सभी दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए।

इसके अलावा उन्होंने पत्र के जरिए कोचिंग इंस्टीट्यूट में सुरक्षा के मद्देनजर सुरक्षा उपायों की जांच कराए जाने की मांग उठाई है।

महत्वपूर्ण एवं खास

डल झील में मिले तीन शवों की हुई पहचान, जांच जारी

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में डल झील से बरामद एक महिला और दो बच्चों के शवों की पहचान हो गई है। पुलिस अधिकारियों ने रविवार को बताया कि बरामद शव एक महिला और उसके दो बच्चों के हैं। वे जम्मू डिवीजन के रामबन जिले के निवासी थे। डल झील के तटवर्ती क्षेत्र से शनिवार शाम तीन शव बरामद किए गए थे। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की थी। अधिकारियों ने बताया, वे रामबन जिले के गूल इलाके के निवासी थे। शुरुआती जांच से पता चला है कि यह डूबकर आत्महत्या का मामला हो सकता है। लेकिन जांच पूरी होने के बाद ही कोई अंतिम निष्कर्ष निकाला जाएगा। फोरेंसिक विशेषज्ञों समेत डॉक्टरों की एक विशेष टीम जांच में जुट गई है। डल झील के तटवर्ती क्षेत्र से शनिवार शाम तीन शव बरामद किए गए थे। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की थी। अधिकारियों ने बताया, वे रामबन जिले के गूल इलाके के निवासी थे। शुरुआती जांच से पता चला है कि यह डूबकर आत्महत्या का मामला हो सकता है। लेकिन जांच पूरी होने के बाद ही कोई अंतिम निष्कर्ष निकाला जाएगा। फोरेंसिक विशेषज्ञों समेत डॉक्टरों की एक विशेष टीम जांच में जुट गई है।

झारखंड के पूर्वी सिंहभूम में हाथी के हमले में दो लोगों की मौत

जमशेदपुर (आरएनएस)। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में हाथी के हमले में एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई. यह जानकारी एक वन अधिकारी ने रविवार को दी. अधिकारी ने बताया कि रविवार सुबह चौठिया गांव के पास जंगल में गए 70 वर्षीय एक व्यक्ति को एक हाथी ने कुचल दिया. उन्होंने बताया कि हाथी ने बुजुर्ग पर अचानक हमला कर दिया और उन्हें घसीटते हुए कुछ दूर ले गया जिसके बाद उनकी मौत मौत हो गई. एक अन्य घटना में, शनिवार देर रात दिघी गांव में एक हाथी के हमले में एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई जिनकी पहचान बासो हांसदा के रूप में हुई है. हाथी ने महिला के घर पर हमला किया जिससे घर की दीवार महिला के ऊपर गिर गई और उनकी मौत हो गई. संभागीय वन अधिकारी (धालभूम) सबा आलम अंसारी ने दोनों घटनाओं की पुष्टि की. उन्होंने बताया कि घटना के विवरण की प्रतीक्षा की जा रही है. घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग की एक टीम जांच के लिए मौके पर पहुंची.

इजराइल पर रॉकेट से हमला, कई बच्चों सहित 11 की मौत

तेल अवीव। इजराइल नियंत्रित गोलन हाइट्स में शनिवार को अचानक एक रॉकेट से हमला किया गया। रॉकेट से हमला उस वक्त किया गया जब बच्चे एक जगह पर इक_ा होकर फुटबॉल खेल रहे थे। वहीं इस रॉकेट हमले में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई, जिसमें कई बच्चे भी शामिल हैं। वहीं हमले के बाद कई अन्य लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। बता दें कि यह रॉकेट हमला दक्षिणी लेबनान पर इजराइली हवाई हमले में हिजबुल्ला समूह के तीन सदस्यों के मारे जाने के कुछ घंटों के बाद हुआ। यह हमला, पिछले साल अक्टूबर में इजराइल और हिजबुल्ला समूह के बीच लड़ाई शुरू होने के बाद से किसी इजराइली क्षेत्र पर किया गया सबसे घातक हमला है, जिससे क्षेत्र में व्यापक संघर्ष की आशंका पैदा हो गई है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि वह जल्द से जल्द अमेरिका से स्वदेश लौट रहे हैं। इसके पहले लेबनानी आतंकवादी समूह के अनुसार, शनिवार को दक्षिणी लेबनान पर इजरायली हवाई हमलों में हिजबुल्ला के तीन सदस्य मारे गए।

हाइड्रोजन होगा रेलवे का भविष्य, इन्फ्रास्ट्रक्चर में होंगे बड़े बदलाव

नई दिल्ली | आरएनएस

केंद्र सरकार की ओर से भारतीय रेलवे के कायाकल्प के लिए लगातार कोशिश की जा रही है। इसमें सुरक्षा बढ़ाने के लिए कवच सिस्टम लगाने से लेकर नई टेक्नोलॉजी जैसे हाइड्रोजन भी शामिल है।

रेलवे बोर्ड के सदस्य अनिल कुमार खंडेलवाल ने कहा कि भारत इस साल अपनी पहली हाइड्रोजन ट्रेन का संचालन शुरू कर देगा और 2047 तक ऐसी ट्रेनों की संख्या बढक़र 50 हो जाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि रेलवे लगातार सुरक्षा को बढ़ाने के लिए कदम उठा रहा है। 16 जुलाई को कवच के चौथे वर्जन का अंतिम विनिर्देश कर लिया गया है। अब हम इसे पूरे देश में लागू करने जा रहे हैं। 1,400 किलोमीटर के ट्रैक पर काम पूरा हो चुका है। दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा के 3,000 किलोमीटर के लिए बोलियां स्वीकार की जा रही हैं। बजट 2024-25 में रेलवे को 2,62,200 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसमें से करीब 1.08 लाख करोड़ रुपये केवल सुरक्षा बढ़ाने के लिए उपयोग किए जाएंगे।

खंडेलवाल ने आगे कहा कि गति शक्ति के आने से काम की रफ्तार में इजाफा हुआ है। अब सालाना 70 से 80 प्रोजेक्ट अप्रूव किए जा रहे हैं, जिनकी संख्या पहले 7 से 8 थी। साथ ही बताया कि रेलवे प्रतिदिन 14.50 किलोमीटर ट्रैक का निर्माण कर रहा है। पिछले वर्ष 5,000 किलोमीटर के ट्रैक का निर्माण किया गया। उन्होंने बुलेट ट्रेन को लेकर कहा कि 2027 तक देश में पहली बुलेट ट्रेन देखने को मिल सकती है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि पीएम मोदी ने रेलवे को 2 लाख 62 हजार करोड़ का बजट आवंटन दिया है। इसमें 1 लाख 8 हजार करोड़ रुपये सेफ्टी बढ़ाने के लिए है। पीएम मोदी ने 10 वर्षों में रेलवे को मजबूत करने के हर तरीके पर ध्यान दिया है। 2014 के पहले 60 साल देखें तो 20,000 किलोमीटर रेलवे का विद्युतीकरण हुआ था। 10 सालों में 40,000 किलोमीटर रेलवे विद्युतीकरण हुआ है। 2014 में नए ट्रैक 3 से 4 किलोमीटर एक दिन में बनते थे। पिछले वर्ष 14.50 किलोमीटर प्रतिदिन, पूरे साल में 5,300 किलोमीटर नए ट्रैक बने हैं।

छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, पंजाब, तेलंगाना, राजस्थान समेत कई राज्यों के बदले गए राज्यपाल

❒ रमन डेका बने छत्तीसगढ़ के नए राज्यपाल

नई दिल्ली | आरएनएस

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, तेलंगाना, झारखंड समेत कई राज्यों के राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल की नई नियुक्ति की है।

राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारी लाल पुरोहित का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। उनकी जगह गुलाब चंद कटारिया को नियुक्त किया गया है जो फिलहाल असम के राज्यपाल हैं।

सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य अब असम के नये राज्यपाल होंगे। उन्हें मणिपुर का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। ओम प्रकाश माथुर को सिक्किम का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

सी.पी. राधाकृष्णन महाराष्ट्र के नये राज्यपाल होंगे। वह फिलहाल झारखंड के राज्यपाल हैं। उनके पास तेलंगाना का अतिरिक्त प्रभार भी है। संतोष कुमार गंगवार को झारखंड का और जिष्णु देव वर्मा को तेलंगाना का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

हरिभाऊ किशनराव बाग्डे को राजस्थान, रमन डेका को छत्तीसगढ़ और सी.एच. विजयशंकर को मेघालय का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

इसके अलावा के. कैलाशनाथ को पुडुचेरी का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। विज्ञप्ति में बताया गया है कि सभी नियुक्तियां उनके कार्यभार संभालने की तारीख से प्रभावी होंगी।

बस और ऑटो की टक्कर में 3 श्रद्धालुओं की मौत 22 घायल

❒ घायलों में 1 मासूम बच्चे की हालात गंभीर, ईलाज के लिए रेफर

❒ प्रयागराज से मां विंध्यवासिनी का दर्शन करने आए थे श्रद्धालु

मीरजापुर | आरएनएस

मीरजापुर प्रयागराज मार्ग पर बस और ऑटो की जोरदार टक्कर में ऑटो में सवार 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि अन्य 22 लोग घायलों हो गए, घायलों में एक 05 साल का नाबालिग भी था जिसकी हालात गम्भीर होने के चलते ईलाज के लिऐ स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सलय रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार सुबह लगभग 06 बजे के आसपास मिर्जापुर प्रयागराज मार्ग पर विंध्याचल थाना के गैपुरा चौकी अंतर्गत खमरिया के पास प्रयागराज जा रहीं एक बस ने प्रयागराज से मिर्जापुर की तरफ आ रही एक आटो में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी की ऑटो बुरी तरह क्षति ग्रस्त हो गई, भीषण टक्कर में ऑटो में सवार 3 लोगो ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतक में कालू चौहान उम्र 60 वर्ष, फोटो देवी 52 वर्ष, रेशम 28 थीं, सभी मृतक प्रयागराज जनपद के सराय ममरेज के निवाशी थे जो की प्रयागराज के कड़े मानिकपुर से दर्शन कर विंध्याचल दर्शन के लिए आ रहें थे। वही इस घटना में एक नाबालिग बच्चे साहित 22 लोग गंभीर रुप से घायल हो गए जिन्हें ईलाज के लिऐ मंडलीय अस्पताल ले जाया गया जहां बच्चे की हालात नाजुक देखते हुए उसे स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल रेफर कर दिया गया, शेष का इलाज़ मिर्जापुर के मेडीकल कॉलेज में चल रहा हालांकि सभी खतरे से बाहर बताए जा रहें। सुबह सुबह हुए इस सडक़ हादसे को सबसे पहले आकस्मिक चिकित्सा सेवा 102 एंबुलेंस के ड्राइवर ने देखा और अपने अधिकारियों को अवगत कराया जिसके तुरंत बाद 108/102 के एंबुलेंस को मौके पर भेजा गया और मरीजों को तत्काल नजदीकी स्वास्थ केंद्र भिजवाकर घायलों का उपचार शुरु कराया गया। एक्सिडेंट की सूचना आसपास के लोगो सहित पुलिस को मिली जिसपर थाना प्रभारी विंध्याचल सी पी पाण्डेय,पुलिस अधीक्षक नगर सहित क्षेत्राधिकारी नगर मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल ईलाज के लिऐ भिजवाए गया।पुलिस मृतक के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज अग्रिम कार्यवाही में जुट गई।

घायलों के लिए जीवनदायिनी साबित हुई एंबुलेंस, कई लोगों को मिला नया जीवन- प्रयागराज मिर्जापुर मार्ग में हुई ऑटो लोडर और बस की टक्कर में तीन लोगों की मौत और 22 लोग घायल हुए जिसकी सूचना मिलते ही महज 8 मिनट में पहली एंबुलेंस पहुंची जिसके बाद क्रमश: 10 मिनट 11 मिनट तथा 15 मिनट में चार एंबुलेंस दुर्घटना स्थल पर पहुंची जिसकी मदद से घायलों को पहले नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जिसके बाद चिकित्सकों द्वारा रेफर करने पर घायल हुए सभी 22 लोगों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया,04 घायलों की हालात गंभीर होने की वजह से उन्हें प्रयागराज स्वरूप रानी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया जिसे एंबुलेंस की सहायता से प्रयागराज पहुंचाया गया।

एंबुलेंस की टक्कर से 12 गायों की दर्दनाक मौत, घंटों दर्द से तड़पते रहे मवेशी

दमोह | आरएनएस

मध्य प्रदेश के दमोह जिले में दर्दनाक हादसा हो। यहां एंबुलेंस की टक्कर से लगभग 12 गायों की मौत हो गई। वहीं कई घायल गाय घंटों तक दर्द से तड़पती रहीं। घटना की सूचना के बाद स्थानीय लोगों ने डॉक्टरों को सूचना दी। जिसके बाद मौके पर पहुंचकर उन्होंने मवेशियों का इलाज किया।

दरअसल एक एंबुलेंस देर रात दमोह तेंदूखेड़ा मार्ग से होकर जा रही थी। इस दौरान सांगा गांव में अंधेरा होने की वजह से वाहन को सडक़ पर बैठी गाय दिखाई नहीं दी। जैसे ही गाड़ी गायों के नजदीक पहुंची, तब चालक को उनके होने का एहसास हुआ। लेकिन तेज रफ्तार होने की वजह से एंबुलेंस ड्राइवर का वाहन से नियंत्रण हट गया और गाड़ी मवेशियों को टक्कर मारते हुए पलट गई।

बता दें कि सडक़ हादसे में मवेशियों की मौत का यह कोई पहला या दूसरा मामला नहीं है। आए दिन ऐसे हादसे हो रहे हैं जो गायों और गोवंशों की मौत की वजह बन रहा है। आए दिन सडक़ पर मवेशियों का जमावड़ा या तो उनकी जान ले रहा है या फिर वाहन चालकों की मौत की वजह बन रहा है। अब इस पर प्रशासन क्या कार्रवाई करता है और जानवरों समेत वाहन चालकों की सुरक्षा कैसे की जाती है, यह देखने वाली बात है।

29 दिन में 4.51 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किये बाबा बर्फानी के दर्शन : अमरनाथ यात्रा ने पिछले साल का रिकॉर्ड तोड़ा

जम्मू | आरएनएस

29 जून को शुरू हुई अमरनाथ यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ रही है। अमरनाथ यात्रा ने पिछले साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पिछले 29 दिनों में 4.51 लाख से ज्यादा तीर्थयात्रियों ने अमरनाथ यात्रा की है।

श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने बताया कि 29 जून को शुरू हुई इस यात्रा के बाद से पिछले 29 दिनों में 4.51 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए हैं, जिससे पिछले साल की यात्रा का रिकॉर्ड टूट गया है। पिछले वर्ष पूरी यात्रा अवधि के दौरान 4.45 लाख श्रद्धालुओं ने गुफा मंदिर के दर्शन किए थे।

शनिवार को लगभग 8 हजार तीर्थयात्रियों ने पवित्र गुफा में दर्शन किए हैं, जबकि रविवार को 1,677 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ।

अधिकारियों के अनुसार, 29 जून को यात्रा शुरू होने के बाद से घाटी जाने वाले तीर्थयात्रियों की यह सबसे छोटी संख्या है। इनमें से 408 यात्री सुबह 3.35 बजे 24 वाहनों के काफिले में सवार होकर उत्तरी कश्मीर के बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुए। 1,269 यात्रियों का दूसरा काफिला 43 वाहनों में सवार होकर दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) आधार शिविर के लिए रवाना हुआ।

सीएपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के असाधारण सुरक्षा इंतजामों की वजह से इस साल यात्रा शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से चल रही है।

गुफा मंदिर में बर्फ की एक संरचना है जो चंद्रमा के चरणों के साथ घटती-बढ़ती रहती है। भक्तों का मानना है कि यह बर्फ की संरचना भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है।

यह गुफा कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। भक्त या तो पारंपरिक दक्षिण कश्मीर पहलगाम मार्ग से या फिर उत्तर कश्मीर बालटाल मार्ग से गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं।

ओडिशा में भारी बारिश के बाद भूस्खलन से तबाही, राज्य से कटे 18 गांव

भुवनेश्वर | आरएनएस

देश के कई हिस्से में भारी बारिश होने से स्थिति गंभीर हो गई है। महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का बुरा हाल है। इन राज्यों के कई शहर बारिश के पानी में डूब गए हैं। वहीं, ओडिशा में भी भारी बारिश ने तबाही मचाई है। ओडिशा में मूसलाधार वर्षा के बाद हुए एक भीषण भूस्खलन के कारण राज्य के मलकानगिरी जिले के 18 गांवों का संपर्क प्रदेश के अन्य हिस्सों से कट गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

भूस्खलन शनिवार दोपहर को मलकानगिरी जिले के कोरुकोंडा प्रखंड के अंतर्गत नाकामामुडी ग्राम पंचायत में बयापदर घाट मार्ग पर स्थित तुम्बा पदर गांव के पास हुआ। भारी बारिश के बीच मलकानगिरी और कोरापुट के लमातापुट और नंदपुर इलाकों में भूस्खलन की जानकारी मिली, जिससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है। विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) कार्यालय ने मलकानगिरी में भूस्खलन की पुष्टि की है। आधिकारिक बयान में बताया गया कि एसआरसी सत्यब्रत साहू ने मलकानगिरी के जिलाधिकारी के साथ चर्चा की है और सडक़ को खोले जाने का काम जारी है। इसमें कहा गया है कि यातायात की आवाजाही शीघ्र ही बहाल कर दी जाएगी।

इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने एक बुलेटिन में कहा कि पश्चिम बंगाल में गंगा के मैदानी क्षेत्र और इससे सटे उत्तरी ओडिशा के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र के प्रभाव से ओडिशा में 31 जुलाई तक भारी बारिश जारी रह सकती है। मौसम कार्यालय ने कहा कि रविवार सुबह तक मलकानगिरी, कोरापुट, नबरंगपुर, बोलांगीर, नुआपाड़ा, सोनपुर, झारसुगुड़ा, सुंदरगढ़, संबलपुर, क्योंझर, अंगुल, देवगढ़ और कालाहांडी जिलों में एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा (सात से 11 सेमी) हो सकती है।

आईएमडी ने रविवार को बंगाल की खाड़ी के ऊपर 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा के चलने की भी चेतावनी दी है। मछुआरों को सलाह दी गई है कि वे समुद्र में न जाएं, क्योंकि इसके अशांत रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने 28 जुलाई को बरगढ़, झारसुगुड़ा, सुंदरगढ़, नुआपाड़ा और नबरंगपुर में भारी बारिश होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। आईएमडी ने कहा कि अगले 24 घंटे (29 जुलाई) के दौरान क्योंझर, मयूरभंज और बालासोर में एक या दो स्थानों पर भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। 31 जुलाई को क्योंझर, मयूरभंज, बालासोर, भद्रक और जाजपुर जिलों में एक या दो स्थानों पर भारी बारिश होने की भी संभावना है।